जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 283 प्रभात अजमेर, शनिवार 14 मई, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट ने सोनिया गांधी का उदयपुर हवाई अड्डे पर स्वागत किया तथा उन्हें खादी के धागों से बनी तिरंगी माला भेंट की।

'पार्टी का कर्ज उतारने का समय आ गया है'

सोनिया गांधी ने सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में कही अपनी बात दोहराई, चिंतन शिविर के अध्यक्षीय भाषण में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। अशोक गहलोत जैसे नेताओं को निशाना बनाकर कटु प्रहार करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि पार्टी के लिए त्याग करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हम में से बहुतों को काफी कुछ दिया है और अब ''पार्टी का कर्ज उतारने का'' समय आ गया है।

उन्होंने कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) में ऐसा ही बयान दिया था और अब उदयपुर के चिन्तन शिविर में अपने उद्घाटन भाषण में उसे दोहराया है।

प्रश्न यह किया जा रहा है कि वे अशोक गहलोत को कब सीधे शब्दों में यह कहेंगी कि वे इस्तीफा दें और राज्य में एक नया नेतृत्व आने दें, जहां दिसम्बर 2023 में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

- चर्चा इस बात की है चिंतन शिविर में कि, नये नेतृत्व को सत्ता में लाने के लिये क्या वे सीधे अपनी बात कहेंगी गहलोत को।
- जैसा कि विदित है, दिसम्बर 2023 में प्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं और अगर राजस्थान में कांग्रेस को नेतृत्व परिवर्तन करना है तो, अभी ही करना होगा अन्यथा बहुत देर हो जायेगी।
- सोनिया गांधी के भाषण में पुराने वरिष्ट नेताओं के लिये एक संदेश यह भी था कि, राज्यसभा सीट के लिये दबाव न बनायें, क्योंकि, नये नेतृत्व को मौका देना है।
- 15 मई को शिविर के समापन दिवस पर राहुल गांधी वह ''रोड-मैप'' उजागर करेंगे, जिससे पार्टी 2024 के चुनाव में भाजपा का सामना करने के लिये ''फिट और फाइन'' हो सके।

यह पार्टी के सीनियर नेताओं पर भी एक तरह का दबाव है कि वे राज्यसभा सीट की मांग न रखें, क्योंकि पार्टी नया नेतृत्व तैयार करना चाहती है। यह संकेत दिया जा रहा है कि उन्हें संगठन के लिए काम करना चाहिए।

इसके साथ ही सोनिया गांधी ने यह भी दृढ़तापूर्वक कहा कि कांग्रेस के इतिहास में कुछ अहम निर्णय लेने, बदलाव करने व सुधार करने का वक्त आ गया है और इस प्रक्रिया को अब स्थगित नहीं किया जा सकता तथा इसे किसी भी कीमत पर स्थगित नहीं किया जाना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में सोनिया गांधी ने ऐसे ही बयान दिए हैं, लेकिन उन्होंने कई कमेटियों की रिपोर्ट्स में की गई प्रमुख सिफारिशों में से किसी को भी पिछले कुछ से लागू नहीं किया है। उन्हें एक यथा-स्थिति रखने वाली आई.एस.एफ. के रूप में जाना जाता है तथा उन्हें किसी भी तरह का बदलाव करना पसन्द नहीं है। लेकिन इस शिविर में किए गए बयानों पर वे अमल करती हैं या नहीं यह अटकलबाजी का एक अन्य विषय है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल दूसरे रूट से पहुंचे

गंगापुर सिटी, 13 मई (निस)। राहुल गांधी को मेवाड़ से गंगापुर सिटी होकर उदयपुर जाना था लेकिन वो दूसरे रूट से उदयपुर चले गए इसलिए गंगापुर सिटी रेल्वे स्टेशन पर राहुल गांधी तथा दूसरे वरिष्ठ नेताओं का स्वागत करने के लिए पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मायूस होकर वापिस लौटना पड़ा।

- पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें गंगापुर सिटी होते हुए उदयपुर जाना था।

राहुल गांधी मेवाड़ एक्सप्रेस ट्रेन से गंगापुर सिटी होते हुए उदयपुर जाने वाले थे। उनके साथ कई अन्य वरिष्ठ नेता भी थे। इन सबका स्वागत के लिए

(शेष पृष्ठ 5 पर)

यू.ए.ई. के राष्ट्रपति का निधन

अबु धाबी, 13 मई। संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) के राष्ट्रपति एवं अबू धाबी के शासक शेख खलीफा बिन जायद अल नाह्यान का शुक्रवार को 73 साल की आयु में निधन हो गया। वही पिछले कुछ समय से बीमार थे और उनका इलाज चल रहा था। राष्ट्रपति से जुड़े मामलों के मंत्रालय ने शेख खलीफा के निधन की पुष्टि की है। शेख खलीफा दुनिया के सबसे अमीर शासकों में शामिल थे और उनकी संपत्ति लाखों करोड़ रुपये बताई जाती है।

- राष्ट्रपति शेख खलीफा की गिनती दुनिया के सबसे अमीर हस्तियों में होती है, वे 73 वर्ष के थे।

शेख खलीफा 3 नवंबर 2004 से संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

नीट पी.जी. परीक्षा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी-2022-23 परीक्षा को स्थगित करने के लिए दायर एक याचिका को निरस्त करते हुए शुक्रवार को व्यवस्था दी कि रोगी की सार-संभाल और उपचार सर्वोपरि है। नीट

- नीट पी.जी. परीक्षा निर्धारित तिथि 21 मई को ही होगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा सरकाने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कमेटी की सिफारिशें मानीं, तो कांग्रेस में आमूलचूल परिवर्तन तय

एक परिवार से एक ही व्यक्ति को टिकट, लेकिन बचाव की गली यह कि, यदि दूसरा सदस्य भी सक्रिय है, तो लड़ सकता है चुनाव

उदयपुर, 13 मई (का.प्र.)। एक के बाद एक लगातार कई प्रदेशों में चुनावी हार के बाद लगता है कांग्रेस अंदर तक हिली हुई है। यही कारण है कि बहुत लंबे समय बाद कांग्रेस को अपने क्रियाकलाप और रणनीतिक गलतियों पर चिंतन करने की आवश्यकता महसूस हुई है। राजस्थान के मेवाड़ अंचल के उदयपुर में हो रहे पार्टी के नव संकल्प शिविर के पहले दिन राजस्थान के प्रभारी और पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए बनी समिति के सदस्य अजय माकन की ओर से दो बातें रखी गई हैं और यदि पार्टी उन पर अमल करने की दिशा में आगे बढ़ती है तो निश्चित तौर पर कांग्रेस में बहुत बड़े बदलाव नज़र आएंगे।

- 5 साल तक एक ही पद पर रहने के बाद नहीं मिलेगा फिर मौका, 3 साल का कूलिंग पीरियड बिताकर फिर आ सकते हैं पद पर, सांसद-विधायकों पर यह नियम लागू नहीं होगा।
- ब्लॉक और बूथ लैवल के बीच अब तीन से पांच मंडल बनाने की सिफारिश, 50 प्रतिशत पद मिलेंगे 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों को।

संगठन में सबसे बड़े बदलाव के तौर पर जिस चर्चा को आगे बढ़ाया गया है वह यह है कि पार्टी अब एक परिवार से केवल एक ही टिकट देगी। उदयपुर में चिंतन शिविर में संगठन में बदलाव और राजनीतिक मामलों पर बने पैनल ने यह सिफारिश की है।

माकन ने इस बारे में कहा कि हमारे पैनल में यह चर्चा हुई है कि एक परिवार से एक टिकट के फार्मूला को लागू किया जाए। साथ ही यह भी चर्चा हुई है कि जिसे भी टिकट दिया जाए, उसने कम से कम 5 साल पार्टी में काम किया हो, सीधे टिकट नहीं दिया जाए। यानी कि यह लागू होता है तो नए आने वालों नेताओं को टिकट नहीं मिलेगा।

अगर किसी नेता का बेटा या दूसरा नेता टिकट लेना चाहता है तो उसे कम से कम पांच साल संगठन में काम करना होगा। कांग्रेस में 5 साल लगातार पद पर नहीं रहने का नियम लागू होने पर आधे से ज्यादा नेता बाहर हो सकते हैं। नेताओं के बेटों को भी पांच साल पार्टी में काम करने के बाद ही टिकट मिलेगा। जब माकन से गांधी परिवार पर यह प्रावधान लागू होने के बारे में पूछा तो कहा कि यह सवाल गांधी परिवार का नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव संगठन चुनाव की प्रक्रिया से होगा और वैसे भी चिंतन शिविर से कांग्रेस अध्यक्ष के चयन का कोई संबंध नहीं है। दरअसल इस नियम में एक गली उन परिवारों के लिए छोड़ दी गई है जिन परिवारों का लंबे समय से कांग्रेस में दबदबा कायम है और जिन परिवारों के दो या तीन लोग लगातार पदों पर काबिज बने हुए हैं। इसी के साथ संगठन स्तर के ग्रुप में इस बात की चर्चा हुई है कि संगठन स्तर पर अब 50 प्रतिशत पद सिर्फ उन युवाओं को दिए जाएं, जिनकी उम्र 50 वर्ष से कम हो, क्योंकि युवा 35 वर्ष तक कांग्रेस में कार्य कर सकते है, लेकिन 35 से 50 वर्ष के जो लोग सक्रिय होते हैं, उन्हें अन्य जगह समायोजित किया जा सके।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली में आग, 26 मरे

नई दिल्ली, 13 मई। दिल्ली के मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास शुक्रवार शाम एक कमर्शियल बिल्डिंग में आग लगने से 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। इसे पहले पुलिस ने बताया था कि इमारत से 60-70 लोगों को निकाला गया है जबकि कुछ लोग अंदर फंसे हुए हैं। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग की

- मुंडका मैट्रो स्टेशन के पास एक कमर्शियल बिल्डिंग में आग लगने से 26 की मौत हो गई और 12 गंभीर रूप से घायल हो गए।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

निजी आकांक्षाओं को पार्टी हित के अधीन रखना होगा!

सोनिया गांधी की मार्मिक अपील उन नेताओं के लिए, जो पद के बिना ऐसे तड़पते हैं जैसे बिना पानी के मछली

उदयपुर, 13 मई (का.प्र.)। उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर जिसे नव संकल्प शिविर का नाम दिया गया है, में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी को एक मंच पर एक साथ दिखाने का प्रयास किया है। नतीजा यह रहा कि जो नेता जी-23 के नाम से जाने जाते रहे हैं, को पहली पंक्ति में और वह भी सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित प्रियंका गांधी के साथ स्थान दिया गया था। इन नेताओं पर कांग्रेस के युवा एवं वर्तमान में राहुल गांधी के नजदीकी नेताओं की तीखी नजर है। मतलब साफ है कि ऐसा करके पार्टी एकता का संदेश देना चाहती है।

दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जिस होटल में चिंतन शिविर, वही नदी के बहाव क्षेत्र में अवैध रूप से बना: किरोड़ी

होटल मालिक से गहलोत परिवार के आर्थिक संबंध, कानूनों को ताक में रखकर हुआ निर्माण

जयपुर, 13 मई (का.सं.)। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता कर एक बार फिर सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। किरोड़ी ने आरोप लगाया है कि गहलोत परिवार से होटल मालिक के आर्थिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और कांग्रेस अगर गरीब आदिवासियों की सच्ची सेवक है तो इस होटल में चिंतन शिविर का कार्यक्रम तुरन्त बन्द कर अन्यत्र करें। यह अवैध होटल आदिवासियों की जमीन हड़प कर बनाई है।

उन्होंने पत्रकार वार्ता में बताया कि मुम्बई की एक कम्पनी ईशान क्लब एण्ड होटल ने उदयपुर में अरावली ताज नाम की विशाल होटल का निर्माण किया है। इसके मालिक राजीव आनन्द हैं। आनन्द वर्ष 2012 से होटल बनाने की कोशिश कर रहे थे, किन्तु जमीन पर आने-जाने का रास्ता नहीं था। इसलिए प्रोजैक्ट अटका हुआ था। वर्ष 2014 से 2017 तक होटल निर्माण की फाइल लगाई गई, किन्तु रास्ता नहीं होने के कारण यूआईटी उदयपुर ने होटल बनाने से इन्कार कर दिया।

- 2017 में जिस होटल को अनुमति नहीं मिली, कांग्रेस सरकार बनते ही अवैध निर्माण को मंजूरी।

इसके बाद वर्ष 2015 में संभागीय आयुक्त कोर्ट ने पुराने साविक नक्शे के आधार पर इस होटल के लिए 900 हैक्टेयर पगडंडीनुमा रास्ते की अनुमति दी थी। यह कानून संगत नहीं था, क्योंकि यह रास्ता अमरजोक नदी का है, जो सिसारमा नदी में मिलती है। इसका पानी पिछोला झील में जाता है। इस प्रकार संभागीय आयुक्त कार्यालय उदयपुर ने होटल व्यवसाई को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से नदी में रास्ता देकर नियम विरूद्ध आदेश पारित किया था।

इस रास्ते को लेकर गिर्वा तहसीलदार ने वर्ष 2015 में एक रिपोर्ट दी थी जिसमें कहा गया था कि यह रास्ता पगडंडीनुमा है। नदी में पानी नहीं बहने की स्थिति में गांव वाले आने जाने के लिए इसका उपयोग करते हैं। वर्ष 2017 में यूआईटी उदयपुर के सचिव रामनिवास मेहता ने भी इस होटल के भूमि रूपांतरण के लिए मना कर दिया था। बीच में नदी, वन विभाग और सरकारी भूमि होने व होटल को रास्ता नहीं मिलने के कारण निर्माण की यूआईटी की ओर से स्वीकृति दिया जाना संभव ही नहीं था।

उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से अब्दुल रहमान बनाम राज्य के प्रकरण में दिए गए निर्णय में कहा गया था कि जिस भू-भाग पर पानी बहता है, उस पर से पानी के बहाव को अवरूद्ध नहीं करना है। राजस्थान नगरीय क्षेत्र (यदि भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए) आयोग के, अनुशंसा और आवंटन नियम 2012 नियम... के उपनियम-12 ''भूमि जल निकायों, या डीलों, जलाशयों जलमग्नता के अधीन आने वाली भूमि को सम्मिलित करते हुए बांध और तालाब या नदी या नाले या झील इत्यादि के बहाब क्षेत्र की भूमि के कृषि भूमि से गैर कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग की अनुज्ञ एवं भूमि आवंटन का निर्बन्धन है।

वर्ष 2018 में सरकार बदलने के साथ ही वर्ष 2019 में ईशान क्लब के होटल मालिक ने पुनः एक साधारण एप्लीकेशन लगाते हुए संभागीय आयुक्त कोर्ट के वर्ष 2015 के आदेश का हवाला देते हुए भूमि रूपांतरण के

(शेष पृष्ठ 5 पर)